# औद्योगिक क्षेत्रों की सड़कें होंगी मजबूत, लागत भी कम

**जागरण संवाददाता, कानपुर :** शहर के औद्योगिक क्षेत्रों की आधारभूत व्यवस्थाओं को मजबूत करने में जुटा उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) रूमा औद्योगिक क्षेत्र में एफडीआर (फुल डेप्थ रिक्लेमेशन) तकनीक से सड़कों को बनवा रहा है। इसमें पुरानी सड़क को खोदकर उसमें स्टेब्लाइज्ड केमिकल मिला फिर से तैयार किया जा रहा है, जिससे सड़क की मजबूती बढ़ेगी। शहर के किसी भी औद्योगिक क्षेत्र में यूपीसीडा इस तकनीक से पहली बार सड़क बना रहा है। वहीं इस तकनीक से सड़क बनाने में लागत भी 35 प्रतिशत कम आ रही है।

एक अप्रैल 2025 से यूपीसीडा के पास औद्योगिक क्षेत्रों की जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों की देखरेख, मरम्मत, निर्माण का कार्य भी आ गया है। उसने पनकी, रूमा व चकेरी औद्योगिक क्षेत्रों में काम भी शुरू कर दिए हैं। वो रूमा औद्योगिक क्षेत्र में एफडीआर तकनीक से सड़क बनवा रहा है। यूपीसीडा इसके अलावा साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में इस तकनीक से सड़क बनवा चुका है और अमौसी औद्योगिक क्षेत्र में काम जारी है। इस तकनीक के तहत पुरानी सड़क को उखाड़कर उसकी सामग्री में केमिकल मिलाया जाता है। इसके बाद सड़क बना दी जाती है। यूपीसीडा इसमें आइआइटी की मदद ले रहा है। वहीं राइट्स की टीम को भी रखा गया है ताकि सारा निर्माण उनकी निगरानी में हो। इस वर्ष औद्योगिक क्षेत्रों के काम हाथ में आते ही इस सड़क का निर्माण शुरू किया गया है। इसे अक्टूबर तक खत्म करना है। औद्योगिक क्षेत्र में मुख्य मार्ग सीसी रोड होंगे। वहीं अंदर की सभी सड़कें एफडीआर तकनीक से बनाई जा रही हैं। यह हिस्सा छह किमी का है और इस पर 12 करोड़ का खर्च आ रहा है। हर बार सड़क बनने के बाद उनकी ऊंचाई बढ़ती जाती है, जिससे जलभराव भी होता है। साथ ही सड़कों के ऊंचा होने से कई हिस्से नीचे हो जाते हैं।

********

रूमा औद्योगिक क्षेत्र में यूपीसीडा एफडीआर तकनीक से बनवा रहा है सड़क ● जागरण

**12** करोड़ रुपये का खर्च आ रहा छह किमी सड़क बनाने में

**35%** तक कम होती सड़कों के निर्माण की लागत इस तकनीक से

एफडीआर तकनीक से खर्च भी हो रही है और सड़कों की मजबूती भी बढ़ रही है। इसके साथ ही सड़कों के हर बार बनने के बाद बढ़ रही ऊंचाई से होने वाली समस्या भी भविष्य में नहीं होगी और जलभराव भी नहीं होगा।

**मयूर माहेश्वरी**, मुख्य कार्यपालक अधिकारी यूपीसीडा